केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 232 मंगलवार 17 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

एक ही जमीन को दो बार बेचने वाला गिरफ्तार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोनहा पुलिस ने जमीन की डबल रजिस्ट्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 14 साल पहले बेची गई जमीन को फर्जी दस्तावेज तैयार कर दोबारा बेच दिया था। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त तिलकराम पुत्र पहलू, निवासी रैकवार, कप्तानगंज ने वर्ष 2009 में गाटा संख्या 1221, 1233, 1238 और 1491 की जमीन लखपाती नामक महिला के नाम बैनामा की थी। उसने इसी जमीन को वर्ष 2023 में फर्जी प्रपत्रों के सहारे नीलम निवासी मनवा को बेचकर मोटी रकम वसूल ली।

धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़िता नीलम ने जब अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर थाना सोनहा में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस तभी से आरोपी की तलाश कर रही थी।

थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार सुबह करीब 10 बजे सटीक सूचना के आधार पर दबिश दी। पुलिस ने अभियुक्त तिलकराम को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी टीम में उप–निरीक्षक तारकेश्वर यादव और हेड कांस्टेबल विनय जायसवाल शामिल थे।

घटिया निर्माण का आरोपः जांच की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत बभनान के वार्ड नंबर–5 स्थित लोहिया नगर में महठा समय माता मंदिर के पीछे कराए जा रहे तालाब सुंदरीकरण के कार्य पर सवाल उठ रहे हैं। करीब 38 लाख रुपये की लागत से हो रहे इस निर्माण में मानकों की अनदेखी और घटिया सामग्री के इस्तेमाल के आरोप लगे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य में पीली ईंटों और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इससे निर्माण की मजबूती पर संदेह पैदा हो गया है। वार्डवासियों के अनुसार, लगभग दो महीने पहले तालाब की खुदाई की गई थी और अब उसी के किनारे बनी पटरी पर निर्माण कराया जा रहा है। उन्हें आशंका है कि बरसात के मौसम में मिट्टी धंस सकती है, जिससे पूरा निर्माण प्रभावित होगा।

कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि घटिया ईंटों के साथ–साथ कम गुणवत्ता वाले सीमेंट और रेत–बालू का प्रयोग किया जा रहा है। इससे तालाब सुंदरीकरण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार अपनी मनमानी करते हुए निर्माण कार्य को जल्दबाजी में पूरा कर रहा है।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि मानकों की अनदेखी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। कुछ निवासियों का कहना है कि नगर पंचायत में भ्रष्टाचार हावी है और जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबल मलानी ने भी इस मामले पर चुप्पी साध रखी है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। इस संबंध में नगर पंचायत बभनान की अधिशासी अधिकारी (ईओ) कीर्ति सिंह ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि अवर अभियंता को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी। वहीं, अवर अभियंता (जेई) विनोद कुमार ने आश्वासन दिया कि वे दो से तीन दिनों के भीतर स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेंगे।

वकील–डाक्टर–शिक्षक और पत्रकारों को भी मिलेगा आवास

लखनऊ (आभा)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0' के तहत कुल 92098 लाभार्थियों के खातों में आवास निर्माण की पहली किस्त के रूप में 900 करोड़ रुपए की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की। इस मौके पर उन्होंने गरीबों के साथ–साथ प्रदेश के वकीलों, डॉक्टरों, शिक्षकों और पत्रकारों के लिए भी आवास उपलब्ध करने की बात की। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में हर गरीब के पास अपना आवास होना चाहिए। सीएम ने कहा कि 2027 के पहले यूपी की सत्ता में जो लोग थे उन्होंने प्रदेश में कुछ माफियाओं को पाला था। उन माफियाओं ने सरकार की जमीनें कब्जा की थीं। उन जमीनों को कब्जे से मुक्त कराते हुए जिन गरीबों के पास अपनी जमीन नहीं है उनके लिए हाईराइज बिल्डिंग बनाई जाएंगी। वहां पर गरीबों के साथ–साथ वकीलों, डॉक्टरों, शिक्षकों और पत्रकारों के लिए भी आवास बनाए जाएंगे।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में पत्रकारों का खास तौर पर उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि ये दिन भर भटकते हैं। इनके लिए यदि हर जिले में सस्ते में आवास उपलब्ध होंगे तो कम से कम उनके पास अपना एक ठौर–ठिकाना हो जाएगा। सीएम योगी ने सभी जिलों के अधिकारियों और नगर विकास विभाग से कहा कि ये सभी सुविधाएं हमें हर जिले में उपलब्ध करानी चाहिए। इसका संदेश अच्छा जाएगा। माफिया से मुक्त कराई भूमि पर गरीब, पत्रकार, वकील, शिक्षक और डॉक्टर का मकान बन रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़े तो माफिया की अपनी जमीन को भी जब्त करके इस योजना को आगे बढ़ाना चाहिए। जिन्होंने शोषण किया है उसे ब्याज सहित वापस करने का समय आ गया है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कई महिला लाभार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि आज यूपी देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं और समाज के प्रत्येक तबके लिए काम कर रही है। सीएम ने कहा कि जब वंचित, दलित और अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को योजनाओं का लाभ मिलता है तो उनका जीवन स्तर ऊपर उठता है।

अवैध खनन रोकने की मांगः विश्व हिन्दू महासंघ ने डीएम को सौंपा पत्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर मानक के विपरीत अवैध रूप से हो रही खुदाई और अवैध खनन को रोका जाय और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

पत्र देने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि जानकारी मिली है कि खनन अधिकारी औरं खनन माफिया की मिली भगत से जनपद में विभिन्न स्थानों पर मानक के विपरीत अवैध रूप से धड़ल्ले से बालू, मिट्टी आदि का अवैध खनन किया जा रहा है। इससे भू–क्षरण की प्रबल आशंका है। इससे जन धन का काफी नुकसान हो सकता है। समय रहते अवैध खनन पर रोक लगाया जाय।

उद्योग व्यापार मण्डल जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि जनपद में सरयू नदी की कोख को चीरकर बालू निकालने वाले अवैध खनन माफियाओं के साथ जिला प्रशासन की जुगलबंदी जारी है। अवैध बालू खनन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने से उनका मनोबल बढ गया है। प्रशासन और बालू माफिया की मिली भगत से सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व का नुकसान हो रहा है। अवैध बालू खनन के कारण किसानो का फसल भी बर्बाद हो रही है.साथ ही किसानो के खेतो पर भी आने वाले समय में बहुत बड़ा प्रभाव पड़ने वाला है। यह स्थितियां गभीर है। पत्र देने के दौरान अखिलेश सिंह के साथ विवेक श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष सनातन रक्षा वाहिनी ,पंकज सिंह राजेश गुप्ता उपेन्द्र सिंह, अर्पण श्रीवास्तव, नागेंद्र सिंह, ऋषभ तिवारी, राजू राजभर, विकास सोनी, आलोक सोनकर, सौरभ त्रिपाठी राकेश सिंह, विपिन सिंह, अभिषेक आर्य, शिवम मिश्रा, सतीश गुप्ता, महिपाल, विवेक चौधरी, रजनीश चौधरी, प्रमोद चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

खसरा से बचाव की दिया जानकारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कमला देवी इण्टर कॉलेज और मां गायत्री फाउण्डेशन की पहल पर खसरा से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, अध्यापकों, स्थानीय ग्रामवासियों को खसरा के कारण, लक्षण और बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आहार एवं पोषण विशेषज्ञ नीरज पाण्डेय ने बताया कि खसरा एक संक्रामक विषाणु के द्वारा फैलने वाली गंभीर बीमारी है। इससे बचने के लिए टीकाकरण व पोषण युक्त आहार सबसे अच्छा व सरल साधन है।

कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष सुप्रिया पाण्डेय, प्रबंधक नीरज विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष उपाध्याय, अध्यापकगण राम अच्छबर गिरी, डी एन चौधरी, शांति शर्मा, ममता श्रीवास्तव ज्योति स्वास्थ्य विभाग के एएनएम पद्मजा राव और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बीर शिरोमणि रुपन बारी के चौथे स्मृति द्वार का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिले के हर्रैया विधानसभा क्षेत्र के अमारी बाजार में भाजपा विधायक अजय सिंह द्वारा बारी समाज के पुरोधा रहे बीर शिरोमणि रुपन बारी. राष्ट्र गौरव जय कीरत बारी एवं राजा शिव दीन सिंह बारी के नाम का स्मृति द्वार का निर्माण कराया गया जिसका उद्घाटन रावत (बारी) एकता मंच बस्ती उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिव कुमार कमल बारी एवं उनके सहयोगियों द्वारा किया गया।

क्षेत्र के अमारी बाजार में लगे स्मृति द्वार को विधायक श्री सिंह द्वारा विधायक निधि से किया गया है. रावत (बारी) एकता मंच के अनुरोध पर विधायक अजय सिंह द्वारा लगाये गये इस स्मृति द्वार के लग जाने से अब बस्ती जिले में कुल चार स्मृति द्वार हो गये। अखिल भारतीय बारी संघ उत्तर प्रदेश के सचिव रामभवन बारी ने कहा कि शिव कुमार कमल बारी की टीम के अथक प्रयास से कप्तानगंज. रुधौली. महादेवा एवं हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में ऐसा कार्य सम्पन्न हुआ । रावत बारी एकता मंच बस्ती हर्रैया तहसील के अध्यक्ष सतीश कुमार बारी, राहुल बारी, अयोध्या प्रसाद बारी, त्रिलोकी प्रसाद एडवोकेट एवं सत्येन्द्र बारी ने कहा कि शिव कुमार कमल बारी के इस कार्यों का जनपद ही पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही है ।

नीतीश, नितिन, कुशवाहा, रामनाथ, शिवेश राज्यसभा चुनाव जीते

नई दिल्ली (आभा)। एनडीए ने बिहार में राज्यसभा चुनाव में क्लीन स्वीप करते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के सभी पांच उम्मीदवारों ने बिहार से राज्यसभा की सभी पांच सीटों पर कब्जा कर लिया है। 16 मार्च, सोमवार को हुए मतदान में एनडीए ने राजद की दो राज्यसभा सीटों को अपने पाले में कर लिया। बिहार सीएम नीतीश कुमार, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, केंद्रीय मंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर और बीजेपी के शिवेश राम राज्यसभा चुनाव जीत गए हैं। कांग्रेस और राजद विधायकों के खेला कर देने से महागठबंधन के उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह(एडी सिंह) के हाथ से राज्यसभा की सीट निकल गई।

देश भर में राज्यसभा की 37 सीटें खाली हुईं जिनमें पांच सीटें बिहार की हैं। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, जदयू के हरिवंश नारायण सिंह, राजद के एडी सिंह और प्रेमचंद्र गुप्ता का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है जिसके लिए 16 मार्च को मतदान हुआ।

विद्यालयों में गठित करना होगा परिवहन सुरक्षा समितिः 15 अप्रैल से चलेगा स्कूली वाहनों के जांच का अभियान- फरीदउद्दीन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। स्कूली वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं, छात्रों के घायल होने या मौत मामलों को सरकार और शासन ने गंभीरता से लिया है। यह जानकारी देते हुये संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन फरीदउद्दीन ने बताया कि समस्त विद्यालय संचालकों को निर्देशित किया गया है कि सर्वोच्च प्राथमिकता पर स्वयं सक्रिय होकर अपने विद्यालय में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन कर लें, और गठित समिति की नियमित बैठक सुनिश्चित करें। ताकि स्कूली वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानक पूर्ण किए जाने के संबंध में अपनी स्तर से सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होने बताया कि समस्त विद्यालय संचालक यह भी सुनिश्चित करें कि उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली 1998 में स्कूली वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानक पूर्ण किए जाने के संबंध में अपने स्तर से भली भांति जांच कर लें।

भविष्य में स्कूल वाहनों से दुर्घटना घटित ना हो यह सुनिश्चित करने के लिए एक अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 के बीच प्रदेश के समस्त जनपदों में स्कूली वाहनों की सुरक्षा मानकों की जांच हेतु एक विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है, यदि इन अभियान के दौरान कोई स्कूली वाहन निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो वाहन के पंजीयन निलंबन से लेकर विद्यालय की मान्यता निरस्त किए जाने एवं अन्य आवश्यक कानूनी कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

धोखे से करा लिया बैनामा, पीडिता ने डीएम से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हर्रैया तहसील क्षेत्र की उभाई निवासिनी ज्ञानमती पत्नी स्वर्गीय सियाराम ने जिलाधिकारी को पत्र देकर न्यायालय नायब तहसीलदार सदर हर्रैया द्वारा वाद सं0–07671/2018 सुखराम बनाम सियाराम का मुकदमा पैरवी के अभाव में खारिज हो जाने के मामले में न्याय की गुहार लगाया है।

डीएम को दिये पत्र में ज्ञानमती ने कहा है कि आराजी गाटा संख्या–657 रकबा 0.3290 हे0 स्थित मौजा उभाई, तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा, तहसील हर्रैया, जिला बस्ती में सहखातेदार संक्रमणीय भूमिधर है। गाँव के ही सुखराम पुत्र जिलाजीत द्वारा उनके पति सियाराम से उनको दवा कराने के बहाने रजिस्ट्री दफ्तर हर्रैया में लाकर 26.11.2018 को एक बैनामा करा लिया गया। इसके विरूद्ध उसने ने न्यायालय सिविल जज (जू०डि०) की अदालत में मूलवाद सं0–612/2025 ज्ञानमती बनाम सुखराम (दस्तावेज मंसूखी) का दाखिल किया है जो विचाराधीन है और तहसील हर्रैया में न्यायालय नायब तहसीलदार सदर हरैया में दाखिल खारिज वाद सं0–07671/2018 सुखराम बनाम सियाराम ने आपत्ति दाखिल किया था जिस पर न्यायालय नायब तहसीलदार हरैया सदर द्वारा पैरवी के आभाव में दिनांक 22.06.2023 को वाद खारिज कर दिया गया। और पत्रावली दाखिल दफ्तर हो गई पुनः वादी द्वारा कायमी प्रार्थना पत्र देकर बिना आपत्तिकर्ता को नोटिस समन दिये नायब तहसीलदार सदर हरैया को नाजायज लाभ देकर 27.02. 2026 को आदेश पारित कर दिया गया। उसके पास कुल 6 बच्चे है जिनमें 5 लड़किया है और 1 लड़का है उक्त आराजी गाटा संख्या–657 रकबा 0.3290 हे० ही उसके बच्चो के जीविको पार्जन का साधन है यदि उक्त आराजी पर विपक्षी सुखराम पुत्र जिलाजीत द्वारा कब्जा कर लिया गया तो उसके बच्चे सड़क पर आ जायेगें और जीवन जीने की उम्मीद समाप्त हो जायेगी। उसने नायब तहसीलदार हरैया शौकत अली के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए उक्त आदेश निरस्त किया जाने की मांग डीएम से किया है।

सुरक्षा और निष्पक्ष चुनाव के लिये मतदान केन्द्र बदलने की मांगः ओबीसी मोर्चा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर विकास खण्ड हर्रैया स्थित ग्राम पंचायत महादेवा के मतदान स्थल क्रमांक 41 एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 40 को प्राथमिक विद्यालय महादेवा से बदलकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय महादेवा में स्थानांतरित किए जाने तथा केन्द्र को अतिसंवेदनशील घोषित किए जाने की मांग किया है।

डीएम को सौंपे ज्ञापन में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा है कि हर्रैया विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत महादेवा में मतदाताओं द्वारा उन्हें अवगत कराया गया कि पूर्व पंचायत चुनावों के दौरान मतदान केन्द्र संख्या–40 एवं मतदान स्थल संख्या–41 प्राथमिक विद्यालय महादेवा में स्थापित किया जाता रहा है। यह विद्यालय वर्तमान समय में जर्जर अवस्था में है, जिससे विशेषकर वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान स्थल तक पहुँचने एवं मतदान कक्ष में उजाला न होने की दशा में मतदान करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे लोगों का मत भारी मात्रा में अमान्य हो जाता है। साथ ही, पूर्व चुनावों में कुछ दबंग एवं प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने एवं मतों का खरीद फरोख्त का कार्य भी किया जाता है तथा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। इससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। ग्राम पंचायत महादेवा के निकट स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय महादेवा में पूर्व से ही लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों का मतदान केन्द्र स्थापित किया जाता रहा है। यह विद्यालय स्थान, मतदान कक्ष में उजाला युक्त है और सुविधा एवं सुरक्षा की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है, जहाँ वृद्ध, दिव्यांग एवं सामान्य मतदाता बिना किसी कठिनाई के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही साथ मतदान स्थल परिवर्तित न हो इसको ले करके गांव के ही दबंग, प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा कूटरचित तरीके से बिना बताये सादा कागज पर ग्रामवासी का नाम व हस्ताक्षर करके पत्र बनाया गया है, जो प्राथमिक विद्यालय मतदान कक्ष सं0–40 व 41, 35 वर्ष से अधिक पुराना है, जो जर्जर अवस्था में है। जबकि पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहां पर लोकसभा विधानसभा का मतदान कक्ष सं0–141 में होता है जो लगभग 20 वर्ष से कम का भवन है।

उन्होने मांग किया कि ग्राम पंचायतों में मतदाताओं के सुरक्षा दृष्टिकोण से आगामी पंचायत चुनाव वर्ष 2026 के लिए मतदान केन्द्र संख्या–40 एवं मतदान स्थल संख्या 41 को प्राथमिक विद्यालय महादेवा से स्थानांतरित कर पूर्व माध्यमिक विद्यालय महादेवा में स्थापित कराने के साथ ही इस मतदान केन्द्र को अतिसंवेदनशील घोषित किया जाए। चुनाव के दौरान सीसीटीवी कैमरा एवं अतिरिक्त सुरक्षा बल की व्यवस्था की जाए, जिससे निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित हो सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुण्डेरवा में रात्रिकालीन चिकित्सक, एक्सरे मशीन सही कराने की मांगः जिलाधिकारी को सौंपा पत्र

— मुण्डेरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था सुधारें प्रशासन—कुलदीप जायसवाल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत मुण्डेरवा क्षेत्र के आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल और सामाजिक कार्यकर्ता अमित जायसवाल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुण्डेरवा में रात्रिकालीन चिकित्सकीय व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ ही टिटनेस इंजेक्शन की ब्यवस्था और एक्स–रे मशीन की तत्काल मरम्मत कराकर उससे एक्सरे सेवा शुरू कराये जाने की मांग किया है।

डीएम को सौंपे ज्ञापन में कुलदीप जायसवाल और अमित ने कहा है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुण्डेरवा में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था कुछ समय से बहुत खराब है। स्थानीय नागरिकों एवं मरीजों द्वारा लगातार यह शिकायत की जा रही है कि रात्रिकालीन समय में अस्पताल में चिकित्सक की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, जिसके कारण आकस्मिक स्थिति में आने वाले मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध नहीं हो पाता तथा उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य केंद्र में पिछले लगभग दो माह से टिटनेस (टी.टी.) का इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है तथा एक्स–रे मशीन भी खराब अवस्था में पड़ी हुई है। परिणामस्वरूप दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन स्थितियों में आने वाले मरीजों को आवश्यक जांच एवं उपचार हेतु निजी चिकित्सालयों या अन्य दूरस्थ अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ रहा है, जिससे आमजन को अनावश्यक आर्थिक भार एवं समय की हानि उठानी पड़ रही है।

मांग किया कि प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुंडेरवा में रात्रिकालीन समय में चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने, टिटनेस इंजेक्शन की समुचित उपलब्धता बहाल कराने तथा खराब पड़ी एक्स–रे मशीन की यथाशीघ्र मरम्मत कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया जाय। जिससे क्षेत्रीय जनता को समुचित एवं सुचारु स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 मार्च 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

डिजिटल युग में अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन–जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश–दुनिया में समय–समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात–छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े–उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां–बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश–दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं।

एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने–अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक–टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे–बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते–पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव– का गुणा गणित

– संतोष कुमार पाठक–

केंद्रीय चुनाव आयोग ने रविवार को चार महत्वपूर्ण राज्यों– केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम के साथ ही एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। केरल, असम और पुडुचेरी में एक ही चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में भी एक ही चरण में राज्य की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होगी। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव आयोग ने सिर्फ दो ही चरण में– 23 और 29 अप्रैल को मतदान करवाने की घोषणा की है। इन सभी राज्यों में मतगणना 4 मई को होगी। इन राज्यों के ये विधानसभा चुनाव तकनीकी दृष्टि से तो यह तय करेंगे कि यहां की जनता ने अगले 5 वर्षों के लिए किस पार्टी की सरकार को चुना है। लेकिन राजनीतिक वास्तविकता तो यही है कि यह सही मायनों में मिनी इंडिया का चुनाव है जिसे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए एक मिड टर्म जनमत संग्रह के तौर पर भी देखा जा सकता है।

एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन के बीच केंद्रित होती जा रही देश की राजनीति में अभी भी कई क्षेत्रीय दल ऐसे हैं जो केंद्र के स्तर पर तो गठबंधन की राजनीति करना चाहते हैं लेकिन अपने–अपने राज्यों में वो सत्ता को बांटना नहीं चाहते हैं। इस लिहाज से अगर देखा जाए तो पांच राज्यों के ये विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के साथ–साथ गठबंधनों के लिए भी अस्तित्व बचाने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं।

असम में पिछले 10 वर्षों से बीजेपी की सरकार है। कांग्रेस पार्टी की सरकार के दौरान राज्य के सुपर चीफ मिनिस्टर माने जाने वाले हिमंत बिस्वा सरमा वर्तमान में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आने के बाद सरमा ने न केवल वर्ष 2016 और 2021 के लगातार दो विधानसभा चुनावों में असम में कांग्रेस को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि पूरे नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में कांग्रेस के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया। इसलिए असम का यह विधानसभा चुनाव कांग्रेस खासकर गांधी परिवार के लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मुद्दा बन गया है।

इसलिए राहुल गांधी ने दिग्गज नेताओं की फौज के साथ ही प्रियंका गांधी को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर असम में उतार दिया है। अगर हिमंत बिस्वा सरमा असम में लगातार तीसरी बार बीजेपी को जीत दिला पाने में कामयाब हो जाते हैं तो वो भी पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री बनने के संभावित दावेदारों की सूची में शामिल हो जाएंगे। लेकिन अगर कांग्रेस उन्हें हरा पाने में कामयाब हो जाती है तो एक तरफ जहां नॉर्थ ईस्ट के अन्य राज्यों में कांग्रेस के अच्छे दिनों की वापसी हो जाएगी वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय स्तर पर भी राहुल गांधी की स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आएगी।

असम की तरह केरल में भी कांग्रेस पार्टी पिछले दो विधानसभा चुनाव हार कर 10 वर्षों से राज्य की सत्ता से बाहर है। एक बार लेफ्ट फ्रंट और एक बार कांग्रेस वाले फ्रंट की सरकार के रिवाज को बदलते हुए 2021 में लगातार दूसरी बार राज्य में सरकार बनाकर लेफ्ट दलों ने नया इतिहास बना दिया था। केरल लेफ्ट दलों का आखिरी दुर्ग है जिसे अगर वो नहीं बचा पाए तो फिर आने वाले दिनों में ये दल सिर्फ इतिहास और एकेडमिक बहसों का हिस्सा मात्र बन कर रह जाएंगे। वहीं अगर कांग्रेस लगातार तीसरी बार केरल में चुनाव हार गई तो फिर वहां आने वाले दिनों में बीजेपी के नेतृत्व में एक नया गठबंधन मजबूती से उभरता हुआ नजर आएगा। केरल की हार कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता से और दूर कर देगी। पश्चिम बंगाल में एक तरफ जहां क्षेत्रीय दल तृणमूल कांग्रेस की नेत्री ममता बनर्जी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भी इसे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया है। वर्ष 2011 से लगातार बंगाल की सत्ता में बनी हुई ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सरकार बनाने के लिए मैदान में है जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में 3 से बढ़कर सीधे 77 पर पहुंचने वाली बीजेपी को यह बखूबी मालूम है कि इस बार की हार बंगाल में उसके पार्टी संगठन को बुरी तरह से तहस–नहस कर देगी।

तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव दोनों क्षेत्रीय दलों– सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके के लिए महत्वपूर्ण है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों इस राज्य में साइड एक्टर की भूमिका में है। यहां दोनों क्षेत्रीय दलों में से जिसको भी सत्ता मिलेगी, वह पूरी हिस्सेदारी के साथ केंद्र में अपने गठबंधन को मजबूत बनाता हुआ ही नजर आएगा। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे यह भी बताएंगे कि आने वाले दिनों में क्षेत्रीय दलों की देश की राजनीति में क्या भूमिका रहने वाली है। ममता बनर्जी और स्टालिन की जीत अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को हर तरीके से नई ताकत देते हुए नजर आएगी और इनकी हार कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी पर हावी होने का मौका दे देगी। पुडुचेरी में बीजेपी एनडीए गठबंधन की सरकार की वापसी की लड़ाई लड़ रही है। यह स्पष्ट है कि इन विधानसभा चुनावों में जहां एक तरफ कांग्रेस और बीजेपी जैसे राष्ट्रीय दलों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है वहीं तृणमूल कांग्रेस , डीएमके और एआईएडीएमके जैसे मजबूत क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। ये चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राहुल गांधी, ममता बनर्जी, एम के स्टालिन और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे कई नेताओं के राजनीतिक भविष्य को भी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला चुनाव है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जदयू में निशांत कुमार की दशा– दिशा

–कमलेश पाण्डेय–

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अविवाहित इंजीनियर पुत्र निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी लॉन्चिंग से बिहार की राजनीति में दूरगामी असर पड़ना लाजिमी है। चूंकि वह अपने प्रगतिशील और यशस्वी पिता की प्रगतिशील समाजवादी सियासत को संभालेंगे, इसलिए कुछ बातें स्पष्ट हैं। वह यह कि अब तीन बड़े स्तरों पर इस पूरे घटनाक्रम का असर पड़ेगादृ सत्ता संतुलन, जेडीयू की आंतरिक राजनीति और राज्य की व्यापक सियासी प्रतिस्पर्धा। इसके अलावा कुछ मौलिक सवाल भी उभरेंगे, जिनकी चर्चा पहले लाजिमी है। स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा।

पहला यह कि उनके पिता नीतीश कुमार अब शारीरिक रूप से अस्वस्थ होकर श्विलासितापूर्णश सदन राज्यसभा की ओर रुखसत हो चुके हैं, जबकि बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने अभी भली भांति पूर्वक जवान भी नहीं हो पाए हैं। इसलिए उन्हें उचित नीतिगत पोषण प्रदान करते हुए जवान करने की जिम्मेदारी अब टीम निशांत कुमार की होगी।

कहना न होगा कि पहले 20 साल तक यानी 1985 से 2025 तक नीतीश कुमार ने व्यक्तिगत संघर्ष की राजनीति की और बाद के 20 वर्षों तक यानी 2005 से 2025 उन्होंने सत्ता संघर्ष की राजनीति की। इसी कशमकश में बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने वैचारिक कुपोषण, प्रशासनिक धूर्तता के शिकार हो गए और पूरी तरह से जवान नहीं हो पाए।

दूसरा यह कि जनता दल यूनाइटेड की सहयोगी पार्टी भाजपा भले ही राष्ट्रीय समाजवादी राजनीति की तरह ही सूबाई समाजवादी राजनीति के प्रतिबिंब जदयू को पीछे धकेलते हुए आगे बढ़ चुकी है, लेकिन पुनः सियासी धोबिया पाट पर राजनीतिक चोट देते हुए जदयू को देश–प्रदेश में पुनः बड़े भाई का दर्जा दिलवाने के सारे दारोमदार अब निशांत कुमार के कंधे पर होंगे। संदेश स्पष्ट है कि बड़े सपने देखेंगे तो उड़ीसा के नवीन पटनायक की तरह सफलतापूर्वक भविष्य में राज करेंगे, अन्यथा चिराग पासवान की तरह बीजेपी के आगे सियासी दुम हिलाते नजर आएंगे। यदि ऐसा हुआ तो यही समझा जाएगा कि बिहार के चाणक्य नीतीश कुमार ने अपनी पुत्र को समुचित राजनीतिक शिक्षा दिए ही उनकी लॉन्चिंग करवा दी। कुछ ऐसे ही सवाल लोगों के जेहन में उठ भी रहे हैं।

तीसरा यह कि जेडीयू और उसके सत्ता समीकरण पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और संभावित नेतृत्व परिवर्तन के साथ निशांत को डिप्टी सीएमध्मुख्य चेहरा बनाने की तैयारी है, जिससे जेडीयू में नेतृत्व का खालीपन भरने की कोशिश होगी। यह कदम बीजेपीदृजेडीयू गठबंधन में निरंतरता का संदेश देगा कि नीतीश भले पटना से दिल्ली शिफ्ट हों, पर "उनका आदमीध्परिवार" सत्ता में रहेगा, जिससे अचानक अस्थिरता की संभावना घटेगी। लेकिन इसके दूरगामी असर नकारात्मक भी हो सकते हैं।

चौथा यह कि जेडीयू की आंतरिक राजनीति भी इस घटनाक्रम से प्रभावित होगी। ऐसा इसलिए कि जेडीयू के कई एमएलएदृएमपी ने खुले तौर पर मांग की कि निशांत ही पार्टी को "एकजुट रख सकते हैं", जो यह दिखाता है कि नेतृत्व संकट से बचने के लिए संगठन परिवारवाद को स्वीकार कर चुका है। इससे पुराने कद्दावर नेताओं के बीच पददृ प्रतिष्ठा को लेकर खींचतान बढ़ सकती है क्योंकि अचानक एक नए, राजनीतिक रूप से अनुभवहीन चेहरे को शीर्ष पर लाना वरिष्ठों की महत्वाकांक्षाओं से टकराएगा।

पांचवां यह कि इस बड़े बदलाव से जदयू के वंशवाद बनाम सुशासन की छवि टकराएगी, क्योंकि नीतीश लंबे समय से वंशवाद के खिलाफ बोलते रहे हैंय और अब बेटे की लॉन्चिंग से उनकी राजनीतिक व वैचारिक साख और "सुशासन बाबू बनाम पारिवारिक राजनीति" वाली नैरेटिव पर विपक्ष को मजबूत हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं, आरजेडीदृकांग्रेस सहित विपक्ष इसे "डबल स्टैंडर्ड" कहकर भुनाएगा, जिससे सामाजिक न्याय बनाम परिवारवाद की पुरानी बहस फिर तेज होगी और यादवदृगैर लवकुश ओबीसीदृअल्पसंख्यक वोटों की समीकरण राजनीति और ज्यादा आक्रामक हो सकती है, जिसकी धार नीतीश कुमार और भाजपा मिलकर कुंद कर चुकी हैं।

छठा यह कि जदयू के इस घटनाक्रम का सूबाई युवा और सामाजिक आधार पर भी संभावित प्रभाव पड़ेगा। अब जदयू पार्टी के भीतर से यह तर्क दिया जा रहा है कि निशांत के आने से युवा वोटर और पढ़ादृलिखा मध्यवर्ग जुड़ सकता है, लेकिन यह तभी होगा जब वे जल्दी जमीनी राजनीति सीखकर स्वतंत्र छवि बना पाएं। अभी के लिए उनका पूरा राजनीतिक वैधता पूंजी "नीतीश के बेटे" होने से आती हैय अगर प्रशासनिक या संगठनात्मक क्षमता जल्दी साबित न हुई तो वे सिर्फ प्रतीकात्मक वारिस बनकर रह सकते हैं, जिससे जेडीयू की गिरती सामाजिक पकड़ नहीं रुक पाएगी।

सातवां यह कि निशांत कुमार की लॉन्चिंग का बिहार की व्यापक सियासत में लंबी अवधि का असर पड़ेगा। निकट भविष्य में यह कदम बीजेपीदृजेडीयू सरकार को स्थायित्व देगा, लेकिन मध्यम अवधि में यह तय करेगा कि नीतीश के बाद जेडीयू स्वतंत्र शक्ति बनी रहती है या भाजपा पर और अधिक निर्भर हो जाती है। ऐसा इसलिए कि यदि निशांत कुमार पार्टी के अंदर स्वीकार्यता बना लेते हैं और संगठन पर पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो वे आने वाले चुनावों में जेडीयू को "पोस्ट–नीतीश" दौर में भी प्रासंगिक रख सकते हैंय वहीं यदि असफल रहे तो बिहार की राजनीति और ज़्यादा द्विध्रुवीय (बीजेपी बनाम आरजेडीदृकांग्रेस) हो सकती है और जेडीयू हाशिये पर जा सकता है।

आठवां यह कि निशांत की एंट्री ने नीतीश कुमार के सालों पुराने एंटी वंशवाद नैरेटिव को सीधे काट दिया और बिहार में लगभग सभी बड़े नेताओं के परिवारवाद को एक साथ एक्सपोज कर दिया। इससे यह साफ दिखने लगा कि 'वंशवाद विरोध' ज्यादातर नैतिकता नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति की भाषा थी। इस मुद्दे पर नीतीश का यू टर्न और नैतिकता का संकट खड़ा हो गया है। नीतीश खुद को कर्पूरी ठाकुर की परंपरा का मानते रहे, जो बेटे को राजनीति से दूर रख कर वंशवाद के खिलाफ उदाहरण बताए जाते हैं।

नौवां यह कि, कई दशक तक वे लालू प्रसाद, कांग्रेस और अन्य दलों पर परिवारवाद का हमला बोलते रहेय और अब उसी मॉडल पर अपने बेटे निशांत को सीधे उत्तराधिकारी की तरह आगे कर रहे हैं। जिस तरह से राज्यसभा जाने और बेटे के लिए स्पेस बनाने के लिए उन्होंने राजनीतिक पटकथा लिखी है, उससे उनकी समाजवादी राजनीति पर भी सवाल उठना लाजिमी है। बताया जाता है कि विपक्ष (जैसे त्श्रक) ने इसे तुरंत पकड़ लिया कि जिसने हमेशा नेपोटिज्म को कोसा, वही अब "अपने उत्तराधिकारी को सेट" कर रहा है, यानी नैतिक ऊँचाई ढह गई।

दसवां यह कि बिहार की ओबीसीदलित 'राजवंशी' राजनीति अब खुलकर सामने आ चुकी है। पहले से ही तेजस्वी यादव, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक आदि खुले तौर पर पिता की विरासत संभाल रहे थे। इसी कड़ी में नीतीश पुत्र निशांत की एंट्री के बाद तस्वीर और साफ हो गई कि लगभग हर प्रमुख सामाजिक राजनीतिक धड़े का नेतृत्व अब "पॉलिटिकल वंशजों" के हाथ में जा रहा है, यानी पूरा सत्ता–संतुलन परिवारों के इर्द गिर्द घूम रहा है।

ग्यारहवां यह कि प्रशांत किशोर व अन्य आलोचकों ने राजनीतिक पाखंड उजागर किया। प्रशांत किशोर ने सीधे सवाल उठाया कि जो नेता जीवन भर वंशवाद के विरोध का दावा करते रहे, वे आज अपने ही बेटे के लिए जगह बना रहे हैंय यानी 'सिद्धांत' दरअसल सत्ता और परिवार के हिसाब से बदलने वाली चीज है। वहीं, राजद नेताओं ने भी कहा कि नीतीश अब उसी रास्ते पर चल पड़े हैं, जिसको वे लालू परिवार की राजनीति में दोष बताते थेय इससे "हम अलग हैं" वाला दावा कमजोर हो गया।

बारहवां यह कि युवाओं के मुद्दों बनाम राजनीतिक वंश की कशमकश अब तेज होगी। क्योंकि निशांत की लॉन्चिंग बहस के साथ ही बेरोजगारी, पलायन और सुशासन बनाम परिवारवाद जैसे सवाल फिर उभरे हैंरू क्या नई पीढ़ी के लिए नेतृत्व का मतलब सिर्फ नेताओं के बच्चे होंगे या आम कार्यकर्ताध्युवा भी ऊपर आएंगे? वहीं जदयू और सहयोगी इसे "नई पीढ़ी का नेतृत्व" कह कर बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह तर्क भी उसी समय कमजोर पड़ जाता है जब टिकट, पद और कुर्सी लगभग पूरी तरह परिवारों में सिमटते दिखते हैं। स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा।

अंधेरे से रोशनी तलाशने का हुनर

–डा. रेनू सैनी–

समस्याएं वास्तव में वे रोशनी होती हैं जो छांव की गहरी परतों के अंदर छिपी रहती हैं। जो छांव की उन गहरी परतों को भेदने का साहस कर लेते हैं, वे संपूर्ण आलोक को अपने अंक में पाते हैं।

इंसान एक ऐसा प्राणी है जो छोटी–सी समस्या के आगे भी हथियार डाल सकता है। वहीं अगर उसकी आंतरिक क्षमता जाग्रत हो जाए तो वह बड़ी से बड़ी समस्या को भी अवसर बना कर दुनिया के सामने ऐसी रोशनी बना कर प्रस्तुत करता है कि लोगों की आंखें चौंधिया जाती हैं। जापान के लोग केवल अपनी जीवनशैली से ही दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत नहीं करते हैं, वरन वे जापानी शब्दावली से भी लोगों को प्रेरित और उत्साहित करते हैं। 'कोमोरेबी' एक बहुत ही खूबसूरत और गहरा जापानी शब्द है। इसका अन्य भाषाओं में ऐसा कोई अनुवाद देखने को नहीं मिलता है। यह शब्द केवल एक दृश्य का वर्णन नहीं करता, बल्कि जीवन के उन पड़ावों का जिक्र करता है, जिनके बीच से सकारात्मक पहलुओं को ढूंढ़कर जीत की नींव रखी जाती है।

कोमोरेबी का अर्थ हुआ–पेड़ों के पत्तों के बीच से छनकर आती हुई सूरज की रोशनी। यह शब्द उस जादुई दृश्य को बताता है जब जंगल या पेड़ों के झुरमुट के नीचे जमीन पर प्रकाश और छाया की आंख–मिचौली चलती रहती है। यह दृश्य अक्सर प्रकृति की उस सुंदरता को भी प्रदर्शित करता है जिसे व्यक्ति जीवन की भागदौड़ में अक्सर अनदेखा कर देता है। जब पृथ्वी पर पेड़ों और पत्तों के बीच से धूप खनकती है और झरती है तो वह दृश्य अत्यंत मुग्ध करने वाला होता है। इस दृश्य का अत्यंत खूबसूरत सार है कि जब भी जीवन में तिमिर या अंधकार छा जाता है तो कहीं दूर से एक किरण उस तिमिर को दूर कर देती है और यह विश्वास दिलाती है कि रुको मत, बस निरंतर चलते रहो। अपनी मेहनत और विश्वास के बल पर निरंतर चलने रहने से पत्तों के झरोखों से झांकती सूर्य की धूप एक दिन पूरे जगत में ऐसी दीप्ति फैलाएगी कि राहें सुनहली हो जाएंगी। कोमोरेबी को ही अपना हथियार बनाकर मैरी के. ऐश ने महिलाओं के लिए ऐसी सुनहरी राहें बनाई कि कई महिलाओं के लिए उद्यमी बनने के रास्ते खुल गए। मैरी के. ऐश अत्यंत मेहनती थी। उन्होंने एक कंपनी में मन लगाकर कार्य किया। जब प्रोन्नति की बात आई तो इस महिला को छोड़कर एक जूनियर पुरुष कार्मिक को प्रमोशन दे दी गई। दुखदायी बात यह थी कि उस पुरुष कार्मिक को मैरी ने ही दो वर्षों तक सिखाया था। अब वह न केवल उससे उच्च पद पर था, अपितु उससे दोगुना वेतन भी प्राप्त कर रहा था। यह देखकर महिला अपमान और क्षोभ से ग्रसित हो गई। पहले वाली कंपनियों में भी उनके साथ ऐसा ही भेदभाव हुआ था। आखिर 45 साल की आयु में इन्होंने नौकरी छोड़ दी और कुछ ऐसा करने का निर्णय लिया जो पुरुषों के सामने एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करे और महिलाओं को इस भेदभाव से मुक्ति दिलाए। इन्होंने एक पुस्तक लिखने का निर्णय किया। जब वे लिखने लगीं तो उन्हें महसूस हुआ कि केवल पुस्तक लिखने भर से या पुस्तक में सलाह देने से कुछ नहीं होगा। इसके लिए उन्हें खुद कुछ ठोस कार्य करना होगा।

आखिर वह क्या हो सकता है? काफी सोच–विचार कर उन्होंने स्वयं एक ऐसा संगठन खड़ा करने का निर्णय लिया जहां पर महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर काम, तनख्वाह और सम्मान मिले। वर्ष 1963 में इन्होंने अपनी सारी जमा–पूंजी लगाकर मैरी के कॉस्मेटिक्स नाम से कंपनी बनाई। उसमें इन्होंने पहले स्टोर पर नौ महिलाओं को काम दिया। इनकी कंपनी सीधे ग्राहकों के घर जाकर उन्हें सौंदर्य उत्पाद दिखाती और बेचती। पत्तों से झरती धूप–छांव की तरह वे निरंतर काम करती रहीं। सफलता की एक छोटी सी किरण उन्हें प्रोत्साहित करती रही कि कुछ ही समय में वे आकाश के सूर्य की तरह चमकेंगी। देखते ही देखते कुछ सालों में उनका कारोबार तीस से अधिक देशों में फैल गया और उनके हाथों में आठ लाख सेल्सकर्मियों की कमान आ गई। इन्होंने गुलाबी रंग को अपना ब्रांडिंग बनाया और सेल्स में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को 'गुलाबी कैडिलैक' कार इनाम में देनी शुरू की। फलस्वरूप कामयाबी उनके कदम चूमने लगी। जो पुरुष पहले उन पर व्यंग्य करते थे, वे उनकी कंपनी से जुड़ने के लिए लालायित होने लगे। मैरी के. ऐश ने अपनी मेहनत और जुनून से साबित कर दिया कि एक महिला जब ठान ले तो वह आसमान को अपने कदमों पर ला सकती है और पूरे फलक में अपनी गहरी पैठ बना सकती है।

महिलाओं को राजनीति और रोजगार में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए –ओम प्रकाश राजभर

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज कलक्ट्रेट मैदान में आयोजित सामाजिक समरसता महारैली में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, रोजगार व अन्य क्षेत्रों में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। इससे महिलाएं समाज सी देश के विकास में बराबर की भागीदारी निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने वंचित व पिछड़े समाज को राजनीतिक चेतना देने का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय की लड़ाई को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और वंचित समाज की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित किए बिना लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। दलित, पिछड़े, गरीब व मेहनतकश वर्गों को अपने अधिकार व सम्मान के लिए संगठित होकर आगे आना होगा। उन्होंने पूर्वांचल राज्य गठन का मुद्दा फिर से उठाया। कहा कि पूर्वांचल राज्य का गठन समय की मांग है। जब यह राज्य बनेगा तो उसके पहले मुख्यमंत्री के रूप में राजभर समाज के बेटे को जिम्मेदारी दी जाएगी।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव व पूर्व मंत्री डॉ. अरविंद राजभर ने युवाओं से राजनीति में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि जब तक युवा राजनीति में आगे नहीं आएंगे, तब तक सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने संविधान की शिक्षा प्राथमिक विद्यालय स्तर से शुरू करने की मांग भी उठाई, ताकि हर नागरिक अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सके। महारैली में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. बलिराज राजभर, जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर राजभर, राष्ट्रीय सचिव जिला प्रभारी जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं पूर्व राज्यमंत्री डॉ. अरविंद राजभर, राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. एमबी राजभर,राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुन राजभर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सालिक यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष पांडेय, पतिराज राजभर, राम ललित चौधरी, शक्ति सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला संघ राधिका पटेल, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव महिला संघ मनीषा सिंह, राष्ट्रीय महासचिव रजनीश श्रीवास्तव, विनोद राजभर, प्रमोद वर्मा, शिखर गुप्ता, बेदीराम, पूर्व विधायक रामानंद बौद्ध आदि मंचासीन रहे।

आवास की किस्त भेजने के बाद योगी ने महराजगंज की गुंजा से की बात

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ से प्रधानमंत्री आवास 2.0 की किश्त प्रेषित की। इस कार्यक्रम का लाइव यहां दिखाया गया। जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्य कार्यक्रम के बाद लाभार्थियों को चेक वितरित किया। वहीं, किश्त प्रेषित करने के बाद सीएम ने महराजगंज के परतावल निवासी लाभार्थी गुंजा देवी से बात की। मुख्यमंत्री ने कहा गुंजा देवी जी.. नमस्ते। आप कहां महराजगंज से बोल रही हैं? कहां घर है आपका? जवाब मिला परतावल। परतावल सुनने के बाद सीएम ने कहा ओह आप परतावल की रहने वाली हैं? आपके पास इससे पहले मकान नहीं था? जवाब मिला नहीं। क्या–क्या लाभ मिलता है आपको? गुंजा देवी ने बताया कि, राशन, गैस आदि की सुविधा मिलती है। बच्चे स्कूल जाते हैं। मुख्यमंत्री ने पूछा तो बताया कि उनके दो बच्चे हैं। सीएम ने कहा कि सभी को स्कूल भेज रही हैं न? बहुत सुंदर। आयुष्मान कार्ड है? जवाब मिला नहीं। कहा कि उसको बनवाइए। अंत में सीएम ने कहा कि आपको आपके परिवार के लोगों को बहुत बधाई। पहले परतावल नगर पंचायत नहीं था। ग्राम पंचायत था और सुविधाएं बहुत कम थीं। अब नगर पंचायत बन गया तो नगरीय क्षेत्र में आवास के लिए सरकार ढाई लाख देती है। नगर पंचायत का लाभ मिलता है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को बधाई दी।

एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता–श्रावस्ती। आजादनगर के एक निजी मैरिज हाल में सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ग्राम प्रधानों व निकाय के सदस्यों के लिए एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। विधायक ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों की कायाकल्प और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए ग्राम प्रधानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को समय से प्राप्त करने पर जोर दिया। लोगो को विद्यालय विकास कार्यों में बढ़–चढ़कर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी बेलसर नूतन जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और डीबीटी के माध्यम से बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित ग्राम प्रधानों को स्कूलों के सुंदरीकरण और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गैस सिलेंडर की कमी से मिड–डे मील पर संकट

संवाददाता–बहराइच। ईरान–इजराइल महासंग्राम का असर बहराइच में भी लगातार पड़ रहा है। खासतौर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों तथा परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के भोजन पर संकट खड़ा हो गया है। विद्यालयों में एक से दो दिनों तक की गैस बची हुई है। विकल्प के तौर पर लकड़ी व चूल्हे की व्यवस्था शुरू हो गई है। कई परिषदीय विद्यालयों में गैस खत्म हो गई है। लकड़ी से खाना बनाने में रसोइयों को दिक्कत हो रही है। इसके अलावा सीएनजी स्टेशनों पर ऑटो, टैक्सी और निजी वाहनों की भीड़ बढ़ गई है। सीएनजी से चलने वाले वाहनों के चक्के थम गए हैं। होटलों का कारोबार लड़खड़ा गया है। कारोबार बंद करने की नौबत आने लगी है। कई व्यवसायी अपना कारोबार बंद करने पर विचार कर रहे हैं। खाने–पीने की चीजें महंगी हो रही हैं, जिससे आम जनता भी प्रभावित है। एक तरफ लोगों को आसानी से गैस नहीं मिल रही। वहीं ब्लैक मार्केट में दो गुने दामों पर सिलेंडर मिल जा रहे हैं। इससे लोगों को परेशानी हो रही है।बोले बहराइचरू गैस सिलेंडर की कमी से मिड–डे मील पर संकट हराइच। मिडिल–ईस्ट में चल रहे युद्ध की आंच परिषदीय विद्यालयों तथा कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालयों की रसोई तक पहुंच गई है। गैस सिलेंडर खत्म होने के कगार पर पहुंच गए हैं। ऐसे में माध्यान्ह भोजन पर भी संकट मंडरा सकता है। लिहाजा वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर लकड़ी के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि गैस न मिलने की दशा में भूखे पेट बच्चे स्कूल से न लौटें। जिले में 2803 बेसिक व 15 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में हर रोज पांच लाख से अधिक बच्चे भोजन करते हैं। अब जब इजराइल व ईरान के बीच युद्ध चल रहा है, तो एलपीजी की किल्लत का असर यहां भी देखा जा रहा है। पहले से रखा गैस का स्टॉक खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है।

जेतवन महाविहार में मधुमक्खियों का हमला, श्रीलंका के आठ तीर्थयात्री घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थल श्रावस्ती स्थित जेतवन महाविहार में पूजा–अर्चना के दौरान मधुमक्खियों के हमले से आठ श्रीलंकाई तीर्थयात्री घायल हो गए। घटना के बाद महाविहार परिसर में अफरा–तफरी मच गई और वहां मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इकौना में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार को श्रीलंका से करीब 40 तीर्थयात्रियों का एक दल बौद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए श्रावस्ती पहुंचा था। यह दल जेतवन महाविहार में स्थित भगवान बुद्ध की गंधकुटी के पास पूजा–अर्चना कर रहा था। उसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने तीर्थयात्रियों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से वहां मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई और कुछ देर के लिए परिसर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

मधुमक्खियों के हमले में सुशांत, रोहित, नंदा शिवमती, चंद्रसेन, निर्वासा, स्वर्ण माली, हेमलता और टिटास नामक तीर्थयात्री घायल हो गए। सभी घायल कोलंबो, श्रीलंका के निवासी बताए जा रहे हैं। दल के टीम लीडर मनोज भंडारे ने घायलों को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। टीम लीडर मनोज भंडारे ने बताया कि उनका दल 4 मार्च को कोलंबो से दिल्ली पहुंचा था। इसके बाद तीर्थयात्रियों ने भारत और नेपाल के विभिन्न बौद्ध तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया। यात्रा के दौरान उन्होंने आगरा, भोपाल, बोधगया, वाराणसी, कपिलवस्तु और लुंबिनी जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। रविवार को यह दल बलरामपुर पहुंचा, जहां उन्होंने पथिक होटल में रात्रि विश्राम किया। सोमवार की सुबह सभी तीर्थयात्री श्रावस्ती पहुंचे और जेतवन महाविहार में पूजा–अर्चना करने लगे, तभी यह घटना हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. गिरिवर वर्मा ने बताया कि सभी घायलों को मधुमक्खियों के डंक लगे थे। प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत सामान्य हो गई। उपचार के बाद सभी तीर्थयात्रियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

4006 महिला स्वंय सहायता समूहों को मिले 43.2 करोड़ रुपए

संवाददाता–गोण्डा। महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। जहां वेंकटाचार्य क्लब परिसर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की गई। इस दौरान 4006 स्वयं सहायता समूहों को कुल 43.2 करोड़ रुपए के डेमो चेक वितरित किए गए। इसमें सामुदायिक निवेश निधि के तहत 2584 एसएचजी और रिवाल्विंग फंड के तहत 1422 एसएचजी शामिल थे। मंडलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा भूषण और डीएम प्रियंका निरंजन ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया है। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया और उत्पादों की खरीदारी भी की। अतिथियों ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, सिलाई–कढ़ाई के वस्त्र, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, खाद्य सामग्री और सजावटी उत्पादों का अवलोकन किया।

उन्होंने महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।मंडलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा भूषण ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम हैं।

उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराते हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होती है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि जिले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं विभिन्न प्रकार के गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि इन उत्पादों को व्यापक बाजार मिले, जिससे महिलाओं की आय बढ़े और उनका आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण हो सके।

सीडीओ अंकिता जैन ने कहा कि हमारे यहां की महिलाओं के ऑनलाइन उत्पादों की बिक्री हो रही है हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में और महिलाओं के उत्पाद ऑनलाइन बिकेंगे। जो भी आज फंड इन लोगों को दिया गया है इन लोगों द्वारा उन फंड का उपयोग करके अपने और उत्पादों को बढ़ाया जाएगा।

बागापार द्वितीय प्राथमिक विद्यालय में मेधावी छात्र सम्मान समारोह व वार्षिकोत्सव संपन्न, विधायक ने किया 3 लाख सहायता की घोषणा

–भारीतय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। सदर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बागापार द्वितीय में सोमवार को मेधावी छात्र सम्मान समारोह एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व चेयरमैन घुघली वीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार, सदर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक गुप्ता तथा उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष केशवमणि त्रिपाठी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। विद्यालय परिवार ने अतिथियों का मंत्रोच्चार, पुष्पवर्षा, माल्यार्पण, बैज और मोमेंटो देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती और बागापार के बच्चों ने अपनी प्रतिभा से यह साबित किया है कि परिषदीय विद्यालयों के छात्र किसी भी कॉन्वेंट स्कूल से कम नहीं हैं। उन्होंने विद्यालय में मल्टीपल शौचालय और स्मार्ट क्लास के लिए तीन लाख रुपये देने की घोषणा भी की। जिलाध्यक्ष केशवमणि त्रिपाठी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चे अपनी प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। सदर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक गुप्ता ने कहा कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत और लगन जरूरी है। खंड शिक्षा अधिकारी सुदामा प्रसाद ने कहा कि शिक्षक अपने दायित्वों के बेहतर निर्वहन से विद्यालयों की तस्वीर बदल रहे हैं। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम की बेहतर तैयारी कराने के लिए शिक्षामित्र सरिता यादव को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया तथा 16 जागरूक अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। पैरामाउंट एकेडमी के निदेशक दुर्गेश सिंह ने विद्यालय को दो कंप्यूटर सेट भेंट किए। वार्षिकोत्सव में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, नारी शक्ति, साक्षरता और पर्यावरण जागरूकता जैसे विषयों पर छात्रों की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज कुमार मौर्य ने किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

संवाददाता–कुशीनगर। जिले की विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्टध्अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

यह घटना तमकुहीराज थाना क्षेत्र की है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 18 अक्टूबर 2022 को आरोपी सहाबुद्दीन ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण किया था। उसे गन्ने के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया गया। घटना के समय पीड़िता की आयु लगभग 13 वर्ष थी।

पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी कर आरोपी सहाबुद्दीन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3ध्4 के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 11 गवाह पेश किए, जिनके बयानों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया।

न्यायालय ने अपने फैसले में टिप्पणी की कि ऐसे अपराध न केवल पीड़िता के जीवन को प्रभावित करते हैं, बल्कि उसके परिवार के सामाजिक सम्मान को भी गंभीर ठेस पहुंचाते हैं। अदालत ने दोषी सहाबुद्दीन पुत्र सत्तीक को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि अर्थदंड की राशि का 80 प्रतिशत हिस्सा पीड़िता को उपचार और पुनर्वास के लिए प्रदान किया जाएगा। इस मुकदमे में शासन की ओर से विशेष शासकीय अधिवक्ता पॉक्सो एक्ट श्री फूलचंदन और श्री अजय गुप्ता ने पैरवी की।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल अपील सं0– 42/2023

अदालत– श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सूर्यनारायण ओझा आदि

बनाम

बुद्धू लाल आदि

1– बुद्धलाल (मृतक) उम्र लगभग 41 साल पुत्र शिवराज 2–श्रीमती गायत्री उम्र लगभग 45 साल पत्नी स्व० हरीलाल 3– दुर्गा प्रसाद (मृतक) उम्र लगभग 22 साल पुत्र हरीलाल 3/1– गुड़िया उम्र लगभग 40 साल पत्नी स्व० दुर्गाप्रसाद 3/2– आकाश उम्र लगभग 22 साल पुत्र स्व० दुर्गाप्रसाद 3/3 – विकाश उम्र लगभग 21 साल पुत्र स्व० दुर्गाप्रसाद 3/4– अमन उम्र लगभग 17 साल नाबालिग प्राकृतिक संरक्षिका गुड़िया निवासीगण मौजा– कलवारी तप्पा– कलवारी परगना–नगर पूरव तहसील वो जिला–बस्ती 4– गोविन्द प्रसाद उम्र लगभग 26 साल पुत्र हरीलाल निवासी मौजा–बेलवाडाड हाल मुकाम मौजा – कलवारी तप्पा–कलवारी परगना– नगर पूरब तहसील व जिला–बरती –रेस्पान्डेन्टियान / प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5– मोतीलाल उम्र लगभग 35 साल पुत्र काली प्रसाद निवासी मौजा बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरब तहसील वो जिला–बस्ती 6– रामशब्द (मृतक) उम्र लगभग 65 साल पुत्र रामदयाल निवासी मौजा–केवचा तप्पा पिलाई परगना नगर पूरब तहसील वो जिला–वस्ती हाल हाल मुकाम मौजा सोनबरसा तप्पा– कलवारी परगना–नगर पूरब तहसील वो जिला–बस्ती 6/1– अरुण कुमार उम्र लगभग 50 साल पुत्र स्व० रामशब्द 6/2– श्रीमती प्रेमा उम्र लगभग 75 साल पत्नी स्व० रामशब्द 6/3– सुषमा देवी उम्र लगभग 51 साल पत्नी स्व० चन्द्रशेखर 6/4– आशीष कुमार उम्र लगभग 30 साल पुत्र स्व० चन्द्रशेखर 6/5– मोनिका यादव उम्र लगभग 28 साल पुत्री स्व० चन्द्रशेखर निवासीगण मौजा– सोनबरसा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील वो जिला–बस्ती –रेस्पान्डेन्टियान / प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

7– राजमन उम्र लगभग 52 साल पुत्र रामसुमेर निवासी मौजा–उमरिया तप्पा– चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील वो जिला–बस्ती –रेस्पान्डेन्ट/प्रतिवादी तृतीय वर्ग 8– चन्द्र भूषण त्रिपाठी (मृतक) उम्र 49 साल पुत्र रामलखन 9– श्रीमती चन्द्रावती (मृतक) उम्र 50 साल पत्नी स्व० चन्द्रभूषण त्रिपाठी 10– राजेश त्रिपाठी (मृतक) उम्र लगभग 21 साल पुत्र स्व० चन्द्रभूषण त्रिपाठी 11–योगेश त्रिपाठी उम्र लगभग 8 साल पुत्र स्व० राजेश त्रिपाठी नाबालिग बबलायत श्रीमती नीरज त्रिपाठी पत्नी स्व० राजेश त्रिपाठी प्राकृतिक संरक्षिका माता स्वयं 12–रिया त्रिपाठी उम्र 13 साल पुत्री स्व० राजेश त्रिपाठी 13– श्रीमती नीरज त्रिपाठी उम्र लगभग 35 साल पत्नी स्व० राजेश त्रिपाठी 14– राकेश त्रिपाठी (मृतक) उम्र 19 साल पुत्र स्व० राकेश त्रिपाठी 15– श्रीमती अर्चना त्रिपाठी उम्र लगभग 22 साल पत्नी स्व० राकेश त्रिपाठी 16– कु० सृष्टी त्रिपाठी उम्र लगभग 3 साल पुत्री स्व० राकेश त्रिपाठी नाबालिग बबलायत श्रीमती अर्चना त्रिपाठी संरक्षिका एवं नैसर्गिक माता श्रीमती अर्चना त्रिपाठी स्वयं 17– खुरशेद अहमद (मृतक) उम्र लगभग 50 साल पुत्र मो० शरीफ निवासीगण मौजा–पकड़ी छव्वरे तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील वो जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–03–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

रास्ते पर कब्जे की शिकायत पर जांच करें एसडीएम -आयुक्त

संवाददाता–गोंडा। आयुक्त कार्यालय में सोमवार को मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील की अध्यक्षता में मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेष जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने अपनी समस्याएं सुनाईं। देहात कोतवाली के ग्राम सुरती पुरवा मौजा रामनगर तरहर की सूर्यकला देवी पत्नी भवानी भीख ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके घर तक जाने वाला सार्वजनिक मार्ग गांव से बाहर निकलता है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर अवैध रूप से टीन शेड रखकर कब्जा कर लिया गया है, जिससे उनके परिवार को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जब भी वह या उनका परिवार उस रास्ते से गुजरने का प्रयास करता है तो विपक्षीगण उन्हें लाठी लेकर मारने की धमकी देते हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने एसडीएम सदर को निर्देशित किया कि प्रकरण की जांच कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत आख्या भेजें। यदि सार्वजनिक मार्ग पर अवैध कब्जा पाया जाए तो उसे तत्काल हटवाकर पीड़िता को न्याय दिलाया जाए। वहीं, बहराइच के पयागपुर के पचदेवरा निवासिनी फुलझरा ने जालसाजी कर संपत्ति हड़पने के प्रयास की शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई। महिला ने बताया कि उसकी माता की मृत्यु के उपरांत जमीन का बैनामा उसके नाम किया गया था। विपक्षीगणों द्वारा कथित रूप से फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र तैयार कराकर संपत्ति पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। महिला का आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद अभी तक पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

ऋषभदेव जैन तीर्थ में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन 22 मार्च से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र के बड़ी मूर्ति परिसर में भारतगौरव गणिनीप्रमुखा आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के संघ सान्निध्य में धर्मप्रभावना और नैतिक मूल्यों के प्रचार–प्रसार का क्रम निरंतर जारी है। हाल ही में सम्पन्न 21 दिवसीय विश्वशांति महाअनुष्ठान में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने लाखों मंत्रों के उच्चारण के साथ विश्वशांति की मंगलकामनाएं कीं।इसी क्रम में 22 मार्च से विविध सामाजिक और धार्मिक आयोजनों की शुरुआत होगी। सबसे पहले जैन समाज की संसद कहे जाने वाले राष्ट्रीय संगठन दिगम्बर जैन महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। संस्था के समाजसेवा के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इसका स्वर्ण जयंती समारोह अयोध्या की पावन धरती पर ज्ञानमती माताजी के सान्निध्य में मनाया जाएगा। इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या (इंदौर), महामंत्री विपिन जैन (मेरठ) सहित देशभर की इकाइयों के हजारों पदाधिकारी और सदस्य भाग लेंगे। सम्मेलन को "जैन एकता सम्मेलन" नाम दिया गया है, जिसका उद्देश्य समाज की संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करना है।इसके बाद 2 से 4 अप्रैल 2026 तक राष्ट्रीय स्तर का त्रिदिवसीय जैन विद्वत् सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें जैन धर्म के प्राचीन ग्रंथों और सिद्धांतों पर विद्वानों के बीच विचार–विमर्श होगा। प्रथम शताब्दी में आचार्य धरसेनाचार्य तथा उनके शिष्य आचार्य पुष्पदंत और भूतबली द्वारा रचित प्राचीन ग्रंथों की 16 पुस्तकों पर गहन अध्ययन और चिंतन किया जाएगा। इस ग्रंथ पर गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माताजी द्वारा की गई संस्कृत टीका पर भी विद्वानों के बीच चर्चा होगी।सम्मेलन में जैन गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध के लिए इंदौर विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ. प्रगति जैन को महावीराचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के अंतर्गत उन्हें 51 हजार रुपये की राशि भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में प्रो. निलेश कुमार जैन (पूर्व निदेशक एवं आचार्य, आईआईटी इंदौर), प्रो. राजीव कुमार जैन (पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर), प्रो. रेणु जैन (पूर्व कुलगुरु, इंदौर विश्वविद्यालय) तथा प्रो. आनंद वर्धन शर्मा (निदेशक, यूजीसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहेंगे।

इस समग्र कार्यक्रम का आयोजन तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत् महासंघ के अध्यक्ष डॉ. अनुपम जैन (इंदौर) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें देशभर से सैकड़ों विद्वानों के शामिल होने की संभावना है।इसके साथ ही 4 अप्रैल 2026 को वैशाख कृष्ण द्वितीया के अवसर पर पूज्य ज्ञानमती माताजी की दीक्षा हीरक जयंती महोत्सव भक्तिमय वातावरण में मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि माताजी का जन्म 1934 में हुआ था। उन्होंने 1952 में गृह त्याग किया, 1953 में प्रथम दीक्षा और 1956 में आर्यिका दीक्षा ग्रहण कर ज्ञानमती माताजी के रूप में आध्यात्मिक जीवन को समर्पित किया।वहीं 5 अप्रैल को अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद का स्वर्ण जयंती समारोह और अवार्ड समर्पण कार्यक्रम भी आयोजित होगा। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में देशभर से हजारों युवा शामिल होंगे। इस दौरान देश की तीन शाखाओं को आउटस्टैंडिंग, एक्सलेंट और बेस्ट शाखा अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा, जबकि पिछले 50 वर्षों में परिषद को सहयोग देने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सेवाशिरोमणि सम्मान प्रदान किया जाएगा।इन आयोजनों के माध्यम से जैन तीर्थ अयोध्या में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए समाज के हर वर्गकृवरिष्ठ कार्यकर्ताओं, परिवारजनों, विद्वानों, युवाओं और महिलाओ को जोड़ते हुए धर्म और समाज विकास की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

भगवान ऋषभदेव को भी मिले स्थान –महंत रविंद्रकीर्ति स्वामी

रायगंज स्थित जैन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रविंद्रकीर्ति स्वामी जी महाराज ने प्रेस से वार्ता करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के प्रति सजग है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की संस्कृति, जो सैकड़ों वर्षों से उपेक्षित रही, उसे भी वर्तमान समय में नई पहचान मिल रही है।महंत रविंद्रकीर्ति स्वामी ने उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2019 से पहले जैन मंदिर में प्रतिदिन 50 से भी कम श्रद्धालु दर्शन के लिए आते थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 500 से 1000 तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे अयोध्या में बढ़ती धार्मिक जागरूकता और विकास का परिणाम बताया।उन्होंने कहा कि भगवान ऋषभदेव भारतवर्ष के प्रथम राजा माने जाते हैं, जिन्होंने समाज को कर्तव्य बोध कराया और उपयोगी वस्तुओं के उत्पादन की प्रेरणा दी। उन्होंने लोगों को श्रम और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया। महंत ने बताया कि भगवान ऋषभदेव के ज्येष्ठ पुत्र भरत के नाम पर ही इस देश का नाम भारत पड़ा।

उन्होंने कहा कि समय के साथ परिस्थितियों में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन वर्तमान समय और नेतृत्व भारत तथा भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। इसके बावजूद अयोध्या में भगवान ऋषभदेव को अभी तक कोई विशेष स्थान नहीं दिया गया है, जो थोड़ा दुख का विषय है।महंत रविंद्रकीर्ति स्वामी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री से भी चर्चा की है और उन्हें आश्वासन भी मिला है। उन्होंने मांग की कि अयोध्या में बन रहे संग्रहालय में भगवान ऋषभदेव के लिए एक विशेष गैलरी सुरक्षित की जाए। यदि संभव हो तो उनके नाम से अलग संग्रहालय या कम से कम एक द्वार का नामकरण भगवान ऋषभदेव के नाम पर किया जाए।उन्होंने कहा कि अयोध्या जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की जन्मस्थली है। इसके साथ ही पांच प्रमुख तीर्थंकरों का भी यह जन्मस्थान माना जाता है। ऐसे में सरकार को जैन संस्कृति के संरक्षण और प्रचार–प्रसार के लिए भी अयोध्या में विशेष पहल करनी चाहिए, जिससे जैन समाज में भी उत्साह का संचार हो सके।

9 वर्षीय बच्चे की तालाब में डुबोकर ले ली जान, 15 वर्षीय किशोर हिरासत में

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि बच्चा आखिरी बार पड़ोस में रहने वाले एक किशोर के साथ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उस 15 वर्षीय लड़के को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी किशोर ने बताया कि वह शराब के नशे में था और उसी दौरान उसने बच्चे को तालाब में धक्का दे दिया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पड़ोस में रहने वाले 15 वर्षीय बाल अपचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गोरखनाथ क्षेत्र के हुमायूंपुर उत्तरी में खाली जमीन पर असम से आए कई परिवार झुग्गी–झोपड़ी बनाकर रहते हैं। ये लोग कबाड़ बीनकर अपना गुजारा करते हैं। इन्हीं में रहने वाले अब्दुल का 9 वर्षीय बेटा मोमिनुल हक रविवार शाम इफ्तार के बाद घर से निकला था।

परिजनों के मुताबिक वह पड़ोस में रहने वाले एक किशोर के साथ बाहर गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। बेटे के घर न लौटने पर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी। सोमवार सुबह करीब 10 बजे रेलवे पटरी के पास स्थित एक तालाब में बच्चे की लाश मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची गोरखनाथ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि बच्चा आखिरी बार पड़ोस में रहने वाले एक किशोर के साथ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उस 15 वर्षीय लड़के को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी किशोर ने बताया कि वह शराब के नशे में था और उसी दौरान उसने बच्चे को तालाब में धक्का दे दिया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। आरोपी के बयान के बाद पुलिस ने उसे अभिरक्षा में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना के बाद इलाके में तरह–तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं। स्थानीय लोग इस बात की भी आशंका जता रहे हैं कि कहीं बच्चे के साथ कोई गलत काम तो नहीं किया गया। इस संभावना को देखते हुए पुलिस अन्य पहलुओं से भी जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह और अन्य तथ्यों की स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी। बच्चे के पिता ने पुलिस को फोन कर सूचना दी थी कि उनके बेटे को पड़ोस में रहने वाले किशोर ने तालाब में डुबोकर मार डाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी नाबालिग है और उसकी उम्र करीब 15 वर्ष है। किशोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है रवि सिंह, सीओ गोरखनाथ

फातिमा बाईपास पर बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जा

संवाददाता–गोरखपुर। वार्ड संख्या 35 सालिकराम नगर वार्ड की पार्षद सरिता यादव ने सोमवार को महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को पत्र लिखकर नगर निगम की जमीन पर किए जा रहे अवैध कब्जे को रोकने की मांग की। सरिता ने बताया कि जंगल सालिकराम में स्थित अराजी संख्या 242 रकबा 0.077 हेक्टेयर भूमि खलिहान सम्पत्ति नगर निगम के नाम दर्ज है। राजस्व अभिलेख में दर्ज यह भूमि का रकबा 0.016 हेक्टेयर फातिमा बाईपास से प्रभावित है। शेष बची 0.061 हेक्टेयर भूमि को एक व्यक्ति अपनी जमीन बता कर अवैध कब्जा कर रहा है। इस बेशकीमती जमीन का सीमांकन ईमानदार अधिकारियों की संयुक्त टीम से कराया जाए।

शबे कद्र हजार महीनों से बेहतर है– मौलाना अब्दुल रहमान

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बनकटी (बस्ती)। पुलिस लाइन बस्ती के इमाम मौलाना अब्दुल रहमान ने बताया कि रमजान का मुकद्दस महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना है। इसी महीने में एक ऐसी मुबारक रात आती है जिसे शबे कद्र या लैलतुल कद्र कहा जाता है। कुरआन शरीफ में इस रात की बड़ी फजीलत बयान की गई है और अल्लाह तआला फरमाता है कि शबे कद्र हजार महीनों से बेहतर है।

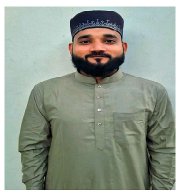

उन्होंने कहा कि इसी मुबारक रात में कुरआन करीम नाजिल किया गया और इस रात की इबादत को हजार महीनों की इबादत से बेहतर बताया गया है।

मौलाना अब्दुल रहमान ने हदीस का हवाला देते हुए बताया कि हजरत अबू हुरैरा (रजि.) से रिवायत है कि हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया जो शख्स ईमान और सवाब की नीयत से लैलतुल कद्र में इबादत करता है, उसके पिछले सारे गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। उन्होंने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि रमजान के आखिरी अशरे की ताक रातों यानी 21, 23, 25, 27 और 29वीं रात में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, कुरआन की तिलावत करें, नफ्ल नमाज अदा करें और अल्लाह से दुआ माँगें।

उन्होंने बताया कि हजरत आयशा (रजि.) ने नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से पूछा था कि अगर लैलतुल कद्र मिल जाए तो कौन सी दुआ पढ़नी चाहिए। इस पर नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने यह दुआ सिखाई" अल्लाहुम्मा इन्नका अफुव्वुन तुहिब्बुल अफ्वा फअफु अन्नी।"

अर्थात ऐ अल्लाह बेशक तू माफ करने वाला है और माफ करना पसंद करता है, इसलिए मुझे भी माफ फरमा दे।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 970/2024
थाना–बांसी
जिला–सिद्धार्थनगर
उर्मिला देवी
बनाम
हरीराम आदि
1. हरीराम (ससुर) 2. लखपाती पत्नी हरीराम (सास) 3. विष्णु गिरी पुत्र हरीराम (जेठ) 4. नीता गिरी पत्नी विष्णु गिरी (जेठानी) 5. सोनी पत्नी अजय उर्फ रिंकू 6. विजय गिरी पुत्र हरीराम (पति) निवासीगण ग्राम मिठवल बाजार थाना बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–विपक्षीगण
तारीख पेशी 31–03–2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 31 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

वार्षिकोत्सव में झूमा बचपनः दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बनकटी (बस्ती)। श्री राम जानकी कन्या इंटर कॉलेज एवं एफएसजीडी कॉन्वेंट स्कूल महादेवा पगार के परिसर में वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्ती मंडल के डीआईजी संजीव त्यागी (आईपीएस) रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती की पूजा–अर्चना व दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में महेश शुक्ल (उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग, राज्य मंत्री दर्जा, उत्तर प्रदेश सरकार), कुलदीप (सीओ रुधौली), विनय पाठक (थानाध्यक्ष लालगंज), कृष्ण चन्द्र सिंह, मेवाती देवी (ब्लॉक प्रमुख बनकटी), सुरेन्द्र तिवारी, अभय सिंह, आलम चौधरी, अखिलेश सिंह, राकेश सिंह, रवि दूबे, रविचंद्र पाण्डेय, दुर्गेश शुक्ला, विवेकानंद शुक्ल, जगदम्बा शुक्ल तथा आर.पी. शुक्ल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के नन्हे बच्चों द्वारा जादू सांग, रैट्रो–मैट्रो डांस, रिबन डांस, डिस्को डांस, रावण एक्ट, शिव–विवाह, एकलव्य नाटक, गणेश स्तुति, महाभारत एक्ट, प्लेन क्रैश एक्ट, टन–टन घंटी तथा छावा एक्ट जैसे आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों पर अतिथियों व अभिभावकों ने जमकर तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

–शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव– संजीव त्यागी

मुख्य अतिथि डीआईजी संजीव त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व, संस्कार और आत्मविश्वास के विकास का महत्वपूर्ण मंच होता है। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ–साथ उनमें नैतिक मूल्यों और संस्कारों का विकास करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रीति सिंह राठौर ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। विद्यालय परिवार लगातार प्रयास करता है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा और अच्छा वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

कार्यवाहक प्रबंधक रामायण सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्षिकोत्सव जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंदर छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अभिभावकों, शिक्षकों और क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे।

डीसीएम कार आपस में भिड़ी दो की मौत, दो घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के लखनऊ गोरखपुर हाईवे रसूलाबाद पेट्रोल पंप के पास सोमवार की भोर में डीसीएम और कार में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई, वही दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हैं। कार सवार सभी लोग लखनऊ में आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह और होली मिलन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस कुशीनगर लौट रहे थे।उपनिरीक्षक रामाश्रय यादव ने बताया कि गोरखपुर से लखनऊ की तरफ जा रही डीसीएम अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए लखनऊ से गोरखपुर की तरफ जा रही वैगनआर कार में जोरदार ठोकर मार दिया।

जिससे कार में मौजूद कुल चार लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए। कार चालक अपने सीट पर वाहन क्षतिग्रस्त होने के कारण फंस गए थे। जिसको पेट्रोल पंप कर्मियों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर बाहर निकलवाया गया। एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने धनंजय पाण्डेय पुत्र उमाकांत पांडेय (35)ग्राम सरगरिया उर्फ रामनगर थाना निबुआ नौरंगिया जनपद कुशीनगर और शंभू मिश्रा पुत्र रमाकांत मिश्रा (45) ग्राम लखुआ खुर्द थाना खड्डा जनपद कुशीनगर को मृत घोषित कर दिया। वहीं रमन कुमार पुत्र मुन्नीलाल (42) निवासी इंदिरा नगर पडरौना जनपद कुशीनगर व सुरेश मिश्र पुत्र हंसराज मिश्र (42)निवासी चिलौना थाना नेबुआ नौरंगिया जनपद कुशीनगर की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। कार में सवार चारों व्यक्ति हिंदी पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश स्तरीय होली मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह से वापस जनपद कुशीनगर जा रहे थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी पंकज श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय श्री आत्मा प्रसाद श्रीवास्तव मूल निवासी मोहल्ला कटरा पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है और वर्तमान में फ्लैट नम्बर 1 –टी स्क्वायर बिल्डिंग काशीपुरी पिकनिक स्पाट रोड गांधी आश्रम के सामने खुर्रमनगर विकास नगर लखनऊ में रह रहा है। मेरे एक बीमा पालिसी में मेरा नाम पंकज श्रीवास्तव के स्थान पर पुकारू नाम दिपेश आत्मा अंकित हो गया है जो गलत है। उसे पंकज श्रीवास्तव कराया जाय।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 322/2024
थाना–कप्तानगंज
जिला–बस्ती
अनीशा
बनाम
अरविन्द कुमार आदि
1. अरविन्द कुमार पुत्र मोतीलाल 2. मोतीलाल पुत्र अज्ञात 3. शिवराजी पत्नी मोतीलाल 4. उमेश पुत्र मोतीलाल 5. दशरथ पुत्र मोतीलाल 6. राकेश पुत्र मोतीलाल 7. प्रीती पत्नी दशरथ 8. आरती पत्नी झाला निवासीगण ग्राम बनहा पोस्ट ओझागंज थाना कप्तानगंज जिला बस्ती
–विपक्षीगण
तारीख पेशी 12–04–2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 12 मास 04 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

कार्यालय संयुक्त निदेशक
औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती

पत्रांक 2031/ लेखा–पौ0शा0/निविदा/2025–26/ बस्ती, दिनांक 12.03.2026

अल्पकालीन निविदा

औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती के अधीन सचालित समस्त प्रक्षेत्रों, पर नये ड्रिप लाइन लगाने पुराने ड्रिप लाइन को बदलने तथा सिंचाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने तथा आटोमेशन के मरम्मत करने आदि कार्यों हेतु पंजीकृत फर्मो / संस्थाओं से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है–

निविदाक्रमांक	निविदा का विवरण	निविदा समय सारणी
1	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 12.3.2026 से दिनांक 18.3.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में
2	निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि	दिनांक 18.3.2026 अपरान्ह 1.00 बजे तक
3	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 18.3.2026 अपरान्ह 2.00 बजे से

निविदा दाता निविदा प्रपत्र के शुल्क के रूप में रू0 1000/नगद/ड्राफ्ट तथा अर्नेस्टमनी के लिए रू0 10500.00 धनराशि का ड्राफ्ट/सावधि जमा जो कि संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती के पक्ष में देय हो। तकनीकी निविदा के साथ संलग्नकर जमा करना होगा। तकनीकी निविदा में सफल होने के उपरान्त ही वित्तीय निविदा खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ कार्यालय से कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

(अनीश कुमार श्रीवास्तव)
संयुक्त निदेशक।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– सिविल जज (सी0 डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 173/2023
सर्वेश्वर सिंह आदि
बनाम
श्रीमती साध्वी सिंह आदि
1. कामेश्वर सिंह पुत्र स्वर्गीय ओंकार सिंह 2. ऐश्वर्य राज सिंह पुत्र लक्ष्मेश्वर सिंह 3. श्रीमती आशिमा सिंह पत्नी स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह 4. रवि प्रताप सिंह पुत्र स्व0 रणजय सिंह निवासीगण राजभवन बस्ती मौजा बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 31–03–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– सिविल जज (जू0 डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 165/2024
सुनील कुमार
बनाम
राम सुन्दर आदि
1. राम सुन्दर उम्र लगभग 35 साल 2. मुन्नाराम उम्र लगभग 30 साल पुत्रगण स्व0 ओम प्रकाश 3. इन्द्राशा देवी उम्र लगभग 58 साल पत्नी स्व0 ओम प्रकाश साकिनान दोफड़ा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 01–04–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 1189
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा जिला–बस्ती
नूरजहां
बनाम
सफीदुलनिशा
साकिन पगार
1. मोहम्मद नसीब 2. मोहम्मद शमीम पुत्रगण अकबाल अहमद ग्राम डेल्हापार तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 24–03–2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–56/2024
मूलवाद सं0–109/88
मोहम्मद खलील आदि
बनाम
जैस मोहम्मद आदि
4/2/1 – समीमुन्निसां उम्र लगभग 50 साल पत्नी कुर्बान 4/2/2– सद्दाम हुसेन उम्र 30 साल 4/2/3– रिजवान हुसेन उम्र 26 साल 4/2/4–इरफान हुसेन उम्र 24 साल 4/2/5– अरमान हुसेन उम्र 19 साल पुत्रगण कुर्बान साकिनान मड़या वार्ड नं0–4 नगर पालिका परिषद खलीलाबाद तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 02–04–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस हैं और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–56/2024
मूलवाद सं0–109/88
मोहम्मद खलील आदि
बनाम
जैस मोहम्मद आदि
5/1 हसरुन्निसां उम्र 65 साल पत्नी हसमुल्लाह 5/2 – मो0 सईम उम्र लगभग 50 साल 5/3– फखरुद्दीन उम्र 45 साल 5/4–समसुद्दीन उम्र 38 साल 5/5– सलाहुद्दीन उम्र 36 साल 5/6– मैनुद्दीन उम्र 34 साल पुत्रगण हसमुल्लाह साकिनान मड़या वार्ड नं–4 नगर पालिका परिषद खलीलाबाद तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 02–04–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस हैं और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com